



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 160]

नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 17, 1986/आषाढ़ 26 1908

No. 160]

NEW DELHI, THURSDAY, JULY 17, 1986, ASADHA 26, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके ।

Separate Page is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 17 जुलाई, 1986

निधन सूचना

सं. 3/3/86 पब्लिक.— 6 जुलाई, 1986 को श्री जगजीवन राम के निधन से देश ने अपने महान एवं कुशाग्र राजन तियों तथा देशभक्त सपूतों में से एक सपूत खो दिया है । वे एक ऐसे पुराने स्वतंत्रता सेनानी तथा उत्साह सामाजिक कार्यकर्ता थे जिन्होंने अपना पूरा जीवन देश की जनता की सेवा में समर्पित कर दिया । वे लगातार करीब पांच दशकों तक देश के राजनीतिक मंच पर प्रमुख रूप से छाए रहे ।

2. उनका जन्म 5 अप्रैल, 1908 को बिहार के चाँधवा, भोजपुर जिले में हुआ था । उन्होंने पटना विश्व-विद्यालय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय और कलकत्ता विश्वविद्यालय में अपना शिक्षा के बाद, कानपुर, उज्जैन तथा वास्तेयर विश्वविद्यालयों से ओनररी डॉक्टरेट डिग्रियाँ प्राप्त कीं ।

3. उन्होंने अपने छात्र जीवन से ही सामाजिक सुधार और समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के आन्दोलन में अत्यधिक रुचि ली । जब वे बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में थे तो उन्होंने सामाजिक भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाने के लिए अनुसूचित जातियों को संगठित किया । बाद में उन्होंने कलकत्ता में अनुसूचित जातियों को संगठित किया तथा बंगाल के सामाजिक एवं राजनीतिक नेताओं का ध्यान आकर्षित करने के लिए सम्मेलन आयोजित किये । उन्होंने महात्मा गांधी द्वारा चलाए गए अस्पृश्यता-विरोध आन्दोलन में भाग लिया । 1930 में हुए कांग्रेस आन्दोलन के दौरान उन्होंने आन्दोलन संबंधी दस्तावेजों को बंटवारे में गुप्त रूप से सहायता की । उन्होंने विशेष सत्याग्रह किया और

दिसम्बर, 1940 में एक वर्ष के लिए जेल भेजे गए। उन्हें अगस्त, 1942 में गिरफ्तार किया गया और भारत छोड़ो आंदोलन के समय नजरबंद रखा गया। उन्हें अक्टूबर, 1943 में स्वास्थ्य के आधार पर जेल से छोड़ा गया।

4. उन्होंने अपना राजनैतिक जीवन 1936 में बिहार विधान सभा के सदस्य के रूप में शुरू किया और 4 वर्ष तक इसके सदस्य रहे। उन्होंने 1940-50 के अधिकांश के दौरान केन्द्रिय विधान सभा तथा संविधान सभा के सदस्य के रूप में कार्य किया। इस पद पर रहते हुए उन्होंने भारत के संविधान के संरचना में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। वे 1950 से 1952 तक अस्थायी संसद के सदस्य रहे। 1946 से 1952 के दौरान अन्तरिम सरकार में वे केन्द्रिय श्रम मंत्री रहे। वे 1952 में लोक सभा के लिए निर्वाचित हुए। वे 1952 से लेकर 1979 तक, 1963 से 1966 तक के तीन वर्षों के अधिकांश का छोड़कर जबकि उन्होंने कांग्रेस राज योजना के अर्थीन इस्तीफा दे दिया था, केन्द्रिय मंत्रिमण्डल के लगातार सदस्य बने रहे। उन्होंने श्रम, संसार, परिवहन, रेल, खाद्य व कृषि, सिंचाई, रक्षा, आदि मंत्र के रूप में महत्वपूर्ण विभाग संभाले। वे अगस्त, 1979 से जुलाई, 1979 तक उन प्रधानमंत्रियों के पद पर भी रहे। वे 1952 से लगातार लोक सभा के सदस्य रहे;

5. वे (i) भारतिय राष्ट्रीय कांग्रेस (1932-77); और (ii) प्रजातन्त्र कांग्रेस (जनता पार्टी में विलीन तक) से संबद्ध रहे। उन्होंने 1980 में भारतिय कांग्रेस (जे.) का गठन किया।

6. उन्होंने विदेशों में अन्तर्राष्ट्रिय सम्मेलनों तथा अन्य मंचों में अनेक भारतिय शिष्टमंडलों का नेतृत्व किया।

7. अनुसूचित जातियों तथा राजाज के अन्य वर्गों के लोगों के अन्ध धर्म उत्थान करना उनका मर्मोद्देश था। जब वे केन्द्रिय खाद्य व कृषि मंत्री थे, उस समय कृषि उत्पादन में आए उछाल को, तथा केन्द्रिय रक्षा मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान, भारतिय रक्षा बलों के वैभवाशाली कार्य निष्पादन में मिले, उनके भारी-दर्शन को राष्ट्र सशक्त हो, कृतज्ञता पूर्वक याद रखेगा। उनके पूरे अतीत राष्ट्रिय एकता के संघर्ष में लग

8. भारत के सुविख्यात सत्तों में से एक, जनता के महान सेवक तथा भारत के स्वतंत्रता संग्राम के सैनिकियों में से एक, श्री जगज्जन राम अपनी गिरफ्तारी स्वास्थ्य के बावजूद भी अनिराम राष्ट्र सेवा कार्य में लगे रहे। उनका निर्भीक अत्मा, उनके देश भक्ति तथा देश भलाई के लिए उनका राजतः समर्पण हमारे जनता के पास एक प्रेरणादायक यादगार रहेगा।

स. ज. सोमैया, सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 17th July, 1986.

OBITUARY

No. 3/3/86-Public.— In the death of Shri Jagjivan Ram on 6th July, 1986 the country has lost one of its great and wise statesmen and patriotic sons. A veteran freedom fighter and an ardent social worker, he dedicated his entire life to the service of the people of the country. He figured prominently on the political scene of the country continuously for about five decades.

2. He was born on 5th April, 1908 at Chandwa, Bhojpur District, Bihar. After his education in Patna University, Banaras Hindu University and Calcutta University, he received Honorary Doctorate Degrees from Kanpur, Ujjain and Waltair Universities.

3. He took keen interest in the movement for social reform and for the upliftment of the weaker sections of the society from his student days. While at Banaras Hindu University, he organised Scheduled Castes to protest against social discrimination. He later organised the Scheduled Castes at Calcutta and arranged conferences to draw the attention of social and political leaders of Bengal. He participated in the anti-untouchability movement started by Mahatma Gandhi. During the 1930 Congress movement he helped secretly in the circulation of pamphlets about the movement. He offered individual Satyagraha and was imprisoned for a year in December, 1940. In August, 1942, he was arrested and detained under the Quit India Movement. He was released from jail in October, 1943 on medical grounds.

4. He started his political career as Member of the Bihar Legislature in 1936 and served for 4 years. He served as Member of the Central Legislative Assembly and Constituent Assembly during the period 1946-50. In this capacity he played an important role in the framing of the Constitution of India. He was member of the Provisional Parliament from 1950 to 1952. He was Union Minister for Labour in the Interim Government during 1946-1952. He was elected to Lok Sabha in 1952. He continued to be a Member of the Union Cabinet from 1952 to 1979, except for a period of 3 years from 1963 to 1966 when he resigned under the Kamraj Plan. He had held important portfolios as Minister of Labour, Communications, Transport, Railways, Food and Agriculture, Irrigation, Defence etc. He also held the office of Deputy Prime Minister from January 1979 to July, 1979. He had continuously been a Member of Lok Sabha since 1952.

5. He was associated with (i) Indian National Congress (1933—77); and (ii) Congress for Democracy (till the merger with the Janata Party). He formed Indian Congress(J) in 1980.

6. He led several Indian delegations to International Conferences and other forums abroad.

7. The welfare of the Scheduled Castes and other weaker sections of the Society was a passion with him. A leap in agricultural production while he was Union Minister for Food and Agriculture, his able guidance to the defence forces during his tenure as Union Defence Minister and his all round effort to achieve national integration will always be remembered with gratitude by the Nation.

8. Even in his failing health, Shri Jagjivan Ram worked without rest or respite in the service of the Nation. His undaunted spirit, his patriotism and his constant devotion to the country's good, will remain an inspiring memory with our people.

C.G. SOMAIAH, Secretary

